

शत्रु, वैरी 5. (पशु) जो किसी से बदला लेने का अवसर ढूँढता रहता हो।

**लागे** अव्य. (देश.) के लिए जैसे- किसके लागे धन जोड़ना।

**लाघव** पुं. (तत्.) 1. लघु होने की अवस्था या भाव 2. लघुता 3. छोटा करना या संक्षिप्त करना 4. फुर्तीलापन, फुर्ती 5. हल्कापन 6. थोड़े शब्दों में अधिक भाव प्रकट करना 7. हाथ की चालाकी या सफाई 8. नीरोगता 9. हल्कापन 10. नपुंसक क्रि.वि. शीघ्र और सहज रूप से।

**लाघविक** वि. (तत्.) 1. जो लघु रूप में हो 2. संक्षिप्त।

**लाघवी** स्त्री. (तत्.) 1. लाघवता, शीघ्रता, फुर्ती 2. तेज़ी 3. हाथ की चालाकी या सफाई।

**लाचार** वि. (फा.) 1. विवश, मजबूर 2. दीन, असहाय, असमर्थ 3. अशक्त, दुर्बल।

**लाचारी** स्त्री. (फा.) 1. विवशता, मजबूरी 2. असमर्थता पूर्ण स्थिति 3. अशक्तता, दुर्बलता।

**लाची** स्त्री. (तद्.) 1. इलायची 2. एक प्रकार का सुगंधित धान और उसका चावल 3. एक प्रकार के सुगंधित क्षुप जिसके छोटे-छोटे फलों के दाने/बीज सुगंधित होते हैं और खाने अथवा मसाले के काम आते हैं।

**लाचीदाना** पुं. (तद्.+फा.) 1. इलायचीदाना, इलायची के दाने 2. शक्कर में पगे हुए इलायची या पोस्त के दाने।

**लाछन** पुं. (तद्.) 1. लांछन 2. चिह्न 3. दाग, निशान 4. कोई निंदनीय या बुरा काम करने पर चरित्र पर लगने वाला धब्बा, कलंक 5. लक्षण।

**लाछी** स्त्री. (तद्.) लक्ष्मी।

**लाज** पुं. (तत्.) 1. उशीर 2. खस 3. पानी में भिगोया हुआ 4. धान का लावा 5. खील, चावल स्त्री. (तत्.) 1. लज्जा, शर्म, मुहा.- लाज के मारे- लज्जा के कारण; लाज गँवाना- अपनी प्रतिष्ठा खोना; लाज रखना- इज्जत की रक्षा

करना; लाज लूटना- शील-भंग करना; लाज से गड़ जाना- लज्जित होना।

**लाजक** पुं. (तत्.) धान का लावा।

**लाजना** अ.क्रि. (देश.) लज्जित होना, शरमाना क्रि.वि. लज्जित होकर।

**लाजपेया** स्त्री. (तत्.) 1. खोई या लावे की माँड 2. खील का माँड।

**ला-जबान** स्त्री. (अर.+फा.) गाली।

**लाज-भक्त** पुं. (तत्.) लाज पेया जो पथ्य रूप में रोगी को दिया जाए।

**लाजवंत** वि. (तत्.) लज्जावान, लज्जाशील।

**लाजवंती** स्त्री. (तत्.) 1. लज्जाशील स्त्री 2. लजालू नामक पौधा, छुई-मुई।

**लाजवर्द** पुं. (तद्.) 1. हल्के नीले रंग का एक मूल्यवान रत्न 2. विलायती नील जो गंधक के मेल से बनता है और बहुत बढिया तथा गहरा होता है।

**लाजवर्दी** वि. (तद्.) हल्के नीले रंग का।

**लाजवाब** वि. (फा.) 1. जिसके बराबर का और कोई न हो, अनुपम बेजोड़ 2. जो उत्तर या जवाब न दे सकता हो, निरुत्तर 3. (बात) जिसका जवाब या उत्तर न दिया जा सकता हो।

**लाजशक्तु** पुं. (तत्.) खोई या लावे का सत्तू।

**लाजहोम** पुं. (तत्.) प्राचीन काल का एक प्रकार का होम, जिसमें खोई या धान का लावा आहुति में दिया जाता है।

**लाजा** स्त्री. (तत्.) 1. चावल 2. भूने हुए धान की खील, लावा 3. लज्जा, शर्म।

**लाजिम** वि. (अर.) 1. आवश्यक और उचित वस्तु, गुण 2. अनिवार्य, लाजिमी 3. उचित, उपयुक्त, मुनासिब।

**लाजिमी** वि. (अर.) 1. आवश्यक, जरूरी 2. अनिवार्य 3. उचित, मुनासिब 4. निश्चित।

**लाट** पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन देश जहाँ अब भडौंच, अहमदाबाद आदि नगर हैं, गुजरात का